same satellite was observed at Nainital again on 10th June at 8·44 p.m.

Agricultural Development in Andamans

***459. Shri A. K. Gopalan:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the amount allotted for agricultural development in Andamans for 1962-63 was not fully spent;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to ensure full utilisation of the allotted amounts in future?

The Miniser of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Yes, Sir.

(b) The amount could not be utilised fully for the following reasons:

1. Slow progress by contractors in the clearance of jungle land selected in Andamans for coconut plantations. In Nicobars no contractor has come forward to take up the clearance work in the Katchal Island due to lack of means of communications.
2. Non-availability of full complement of the technical staff provided for under various agricultural schemes.
3. Non-execution of pilot project scheme relating to rubber cultivation by the Rubber Board.

(c) 1. In Andamanas the Forest Department has been asked to take up the work departmentally in case they to complete the work in time. In Inter-Island vessel under construction Nicobar it is not possible to take up any departmental operation until the Inter-Island vessel under construction at present becomes available.

2. Vacant posts have been advertised in mainland papers and efforts are being made to select suitable candidates from the mainland.

3. Pilot project scheme of Rubber Plantation is at present under consideration of the Government of India as the Rubber Board are not inclined to take it up as a result of a report given to them by their experts.

चीनी मिलें

***४६०. श्री विभूति मिश्र :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब की चीनी मिलों में चीनी की रिकवरी दक्षिण की चीनी मिलों की अपेक्षा कम होती है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि वहां चीनी की कम रिकवरी का यह कारण है कि ये मिलें बहुत पुरानी हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि सरकार उपरोक्त राज्यों में स्थित मिलों को आधुनिकतम बनाने के बारे में एक योजना बनाने का विचार कर रही है ; और

(घ) यदि हां, तो योजना का स्वरूप क्या है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के शर्करा कारखानों की शर्करा की उपलब्धि दक्षिण के कुछ राज्यों के शर्करा कारखानों की तुलना में कम है ।

(ख) इस कम उपलब्धि का मुख्य कारण यह है कि बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के गन्ने में शर्करा (सुक्रोज़) तत्व अपेक्षाकृत कम होता है और कारखाने भी पुराने हैं ।

(ग) और (घ). भारत में शर्करा उद्योग के अलाभकर एककों की समस्या की छानबीन करने के लिए हाल ही में, एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की गयी है । इस समिति ने पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी बिहार के शर्करा कारखानों की जांच पड़ताल प्रारम्भ